and 5th December, 1977 and a full day's strike on 27th September, 1977. It is not possible to assess the loss that the banks might have suffered due to these strikes.

(f) Information is being collected and will be laid on the Table of the House.

Distribution system of essential commodities

*455. SHRI C. K. JAFFER SHARIEF:
SHRI ISHWAR CHAUDHRY:

Will the Minister of COMMERCE AND CIVIL SUPPLIES AND CO OPERATION be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Government have announced its policy to constitute at all district levels Advisory Committees to review the working of and advise on the distribution system of essential commodities;

(b) if so, the details regarding their composition and functions; and

(c) whether Government will also clarify about the positive role such committee will have to play in effecting practical improvements in the public distribution system specially when Government have announced their decision for single zone system without even consulting the State Governments?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF COMMERCE AND CIVIL SUPPLIES & COOPERATION (SHRI KRISHNA KUMAR GOYAL): (a) Yes, Sir.

(b) and (c). A copy of the communication issued by the Central Government to all State Governments and Union Territories, which gives the details of the guidelines and the role envisaged for the Committees, is laid on the Table of the House. (*Placed in Library. See* No. LT-1384/77).

वर्ष 1977 में हुई विमान दुर्घटनाओं के कारण

*457. **श्री राम विलास पासवान :** क्या **पर्यटन और नागर विमानन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि पिछले वर्षों की तुलना में वर्ष 1977 में विमान दुर्घटनाओं की संख्या अधिक है ;

(ख) इन विमान दुर्घटनाओं के क्या कारण हैं ; और

(ग) गत पांच वर्षों में कितनी विमान दुर्घटनाएं हुई हैं और उनमें कितने व्यक्ति मारे गए हैं ?

पर्यटन और नागर विमानन मंत्री (श्री पुरुषोत्तम कौशिक) : (क) जी नहीं। पिछले पांच वर्षों के दौरान हुई विमान दुर्घटनाओं की संख्या नीचे दी गयी है :—

वर्ष	विमान दुर्घटनाओं की संख्या
1973 . . .	38
1974	25
1975 .	17
1976 . .	17
1977 . . .	15

(ख) वर्ष 1977 में हुई विमान दुर्घटनाओं का तथा जिन मामलों में जांच पूरी हो गई है उनमें दुर्घटना के कारणों का विस्तृत ब्यौरा नीचे दिया गया है :—

क्रम सं०	दुर्घटना की तारीख तथा दुर्घटनास्थल	मालिक/परिचालक	प्रकार तथा रजिस्ट्रेशन मार्क	दुर्घटना का कारण
1	2	3	4	5
1	16-2-1977 गोकक मिल्स एयरफील्ड	डॉ०एस०वी०भावे, सर्जिकल, नर्सिंग होम, पूना	बोनांजा वीटी-सीजेडई	जांच की जा रही है।
2	22-2-1977 सफदरजंग एयरपोर्ट, नई दिल्ली।	दिल्ली फ्लाइंग क्लब	पुष्पक वीटी-डीपीके	दुर्घटना छात्र विमान चालक के विवेक में त्रुटि के कारण हुई। छात्र विमानचालक ने अवतरण के लिए जोर से ब्रेक (हाई चैक) लगा दी जिससे काफी ऊंचाई से ही गतिरोध के कारण विमान डगमगा गया।
3	12-3-1977 नरसिंगपुर जबलपुर के समीप	इंडेमेर कं०	पाइपर एपैक वीटी—डीआईक्यू	जांच की जा रही है।
4	22-3-1977 मधुमलाई बंगलौर के समीप	पुष्पक एविएशन	बैल 47जी 5 हैलीकॉप्टर वीटी—ईएई	जांच की जा रही है।
5	5-4-1977 गांव—इडावल्ली (आंध्र प्रदेश)	नेशनल रेमोट सेंसिंग एजेंसी	डीसी—3 वीटी—ईईएल	विमान वीएफ आर (विजुअल फ्लाइट रूल्स) की शर्तों के अधीन उड़ान करता हुआ पहाड़ी के शिखर पर बाहर निकली हुई चट्टान के साथ टकरा गया। सम्भवत: बादल का एक खंड इस पर आजाने के कारण यह ढक गई थी तथा ठीक समय पर विमान चालक के नोटिस में नहीं आई जिससे वह उससे बचने की कोई कार्यवाही कर पाता।

1	2	3	4	5
6	6–5–1977 कोयम्बतूर	कोयम्बतूर फ्लाइंग क्लब	पुष्पक वीटी—डीएनपी	जांच की जा रही है।
7	7–5–1977 जगरोंव	लुधियाना एविएशन क्लब	पुष्पक वीटी—डीजैडसी	विमान कम ऊंचाई से ही ऊपर को तेज मोड़ लेते समय डगमगा गया और क्रैश कर गया। ऊंचाई के कम होने के कारण वह डगमगाहट की स्थिति से संभल नहीं पाया।
8	12–6–1977 अहमदाबाद	गुजरात गवर्नमेंट फ्लाइंग क्लब	आईटीजी 3 ग्लाइडर वीटी—जी बीएच	जानबूझ कर किये गये गतिरोध से संभलते हुए विमानचालक ने वक्त से पहले ही दाईं ओर का मोड़ ले लिया जिससे विमान ने चक्कर खाना शुरू कर दिया और विमानचालक के नियंत्रण से बाहर हो गया जिसके परिणामस्वरूप दुर्घटना हो गई।
9	16–7–1977 जम्मू	इंडियन एयर-लाइंस	एफ—27 वीटी—डी ओएल	जांच की जा रही है।
10	22–7–1977 फरीदाबाद के निकट	डायरेक्टोरेट ऑफ एग्रीकल्चरल एविएशन	बैल 47 जी 5 हैलीकाप्टर वीटी—ईबीजी	जांच की जा रही है।
11	6–8–1977 एलानाबाद के निकट	,,	बसंत वीटी—इइए	जांच की जा रही है।
12	11–9–1977 रतिया के निकट	डायरेक्टोरेट ऑफ एग्रीकल्चरल एविएशन	बसंत वीटी—ईसीवाई	जांच की जा रही है।
13	14–9–1977 हिजरांव (हरियाणा)	,,	बसंत वीटी—इइओ	जांच की जा रही है।

1	2	3	4	5
14	27–10–1977 भवानीपटना के निकट (उड़ीसा)	,,	बसंत वीटी—इइइ	जांच की जा रही है।
15	25–11–1977 सिंधानूर के निकट (कर्नाटक)	भारत एग्रो एविएशन	बैल47जी 5 हैलीकॉप्टर वीटी—इसीबी	जांच की जा रही है।

(ग) पिछले पांच वर्षों में हुई विमान दुर्घटनाओं की संख्या तथा इनमें. मारे गये व्यक्तियों की संख्या नीचे दी गई है :—

वर्ष	दुर्घटनाओं की संख्या			मारे गये व्यक्तियों की संख्या			
	घातक	अघातक	कुल	यात्री	कर्मी	अन्य	कुल
1	2	3	4	5	6	7	8
1973	5	33	38	48	11	1	60
1974	4	21	25	1	4	—	5
1975	3	14	17	5	2	—	7
1976	3	14	17	90	7	1	98
1977 (14-12-77 तक)	1	14	15	5	5	—	10
कुल योग .	16	96	112	149	29	2	180

Scaling down of over-head margin charged by S.T.C.

*458. SHRI B. K. NAIR: Will the Minister of COMMERCE AND CIVIL SUPPLIES AND COOPERATION be pleased to state:

(a) the profits made by the S.T.C. during the last five years;

(b) whether the margin charged by S.T.C. on transactions is very often more than 20 per cent; and

(c) whether as a measure of encouraging producers of export goods and of giving relief to consumers of imported materials and articles, the S.T.C. propose to consider scaling down the over-head margin substan-